

Loss to Coal India Ltd. due to short Power Supply by DVC

*445. SHRI AJIT KUMAR SAHA:
SHRI BASUDEB ACHARIA:

Will the Minister of ENERGY be pleased to state:

(a) what is the daily loss of Coal India Ltd. due to less power supply by DVC;

(b) number of times DVC supplied required power to the CIL during this year; and

(c) the steps to be taken in this regard?

THE MINISTER OF ENERGY (SHRI A. B. A. GHANI KHAN CHAUDHURY): (a) Coal mines in the Eastern Coalfields Ltd. Central Coalfields Ltd. and Bharat Coking Coal Ltd. supplied power by the DVC. Due to interruptions in this power supply, these coal companies suffer loss in production. The computed loss in coal production due to such interruptions has been about 11 lakh tonnes in the period March-June, '82 for these three companies. Coal washeries also suffer loss in production due to power interruptions. The computed loss in production of washed coal from the washeries of Coal India Ltd. during the period March-June '82 is a little over 3 lakh tonnes.

(b) The maximum power requirement of ECL, BCCCL and CCL has been assessed at 320 MVA. However, on an average, the requirement is about 200 MVA. During the period March-June '82 the actual average supply from DVC to these three coal companies has been 190 MVA. However, there have been regular interruptions in this power supply.

(c) The coal companies are installing captive generating sets and are segregating coal load from the non-coal load in the feeders supplying power from the DVC.

The DVC is trying to add to its capacity and in the month of June arrangements were made for supply of some power from the northern grid to the mines through the DVC system.

कास्टिक सोडा का उत्पादन

*446. श्री रणजीत सिंह: क्या पेट्रो-लियम, रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत वर्ष देश में कास्टिक सोडा का कितना उत्पादन किया गया;

(ख) गत एक वर्ष के दौरान विदेशों में कास्टिक सोडा का कितनी मात्रा में आयात किया गया; और

(ग) विदेशों में आयात किये गये कास्टिक सोडा के विवरण के लिये क्या तरिका अपनाया गया?

पेट्रो-लियम, रसायन और उर्वरक मंत्री (श्री पी. शिव शंकर): (क) वर्ष 1981-82 में 6.14 लाख टन कास्टिक सोडा का उत्पादन हुआ।

(ख) वर्ष 1980-81 (जनवरी, 1981 तक) के दौरान 34,218 टन कास्टिक सोडा आयात किया गया; 1 जनवरी, 1981 के बाद के आयात आंकड़े अभी उपलब्ध नहीं हैं। आंकड़ों के संकलन तथा प्रकाशन में सामान्यतः मामूली देरी होती है। आयात आंकड़े महानिदेशक, वाणिज्यिक आसूचना तथा सारिकी, कलकत्ता द्वारा संकलित तथा प्रकाशित किए जाते हैं। आंकड़ों के संकलित होने पर, उन्हें भारत के विदेश-व्यापार की मासिक सारिकी खण्ड दो में प्रकाशित किया जायेगा, जिस की प्रतियां संसद के पुस्तकालय में उपलब्ध होंगी।

(ग) कास्टिक सोडा के वितरण पर कोई सांविधिक नियंत्रण नहीं है। तथापि, इस मध्य की जब कभी पैदा हुई तब मांग और आपूर्ति के बीच की कमी को पूरा करने के लिए स्टेट कॉमिन्स एण्ड फार्मस्यूटिकल्स कारपोरेशन आफ इंडिया (सी. पी. सी.) (अब भारतीय व्यापार निगम) का रसायन प्रभाग ने 1979-80 में 15,000 टन तथा 1980-81 में 21,425 टन कास्टिक सोडा का आयात किया। आपूर्तित कास्टिक सोडा को वास्तविक उपभोक्ताओं, जिसमें सरकारी क्षेत्र के उपक्रम तथा राज्य सरकार शामिल हैं, में सी. पी. सी. में पंजीकृत उनकी आवश्यकताओं के आधार पर वितरित किया गया।